लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने 25 फरवरी, 2021 को शिलांग में मेघालय विधान सभा के सदस्यों को सम्बोधित किया

...

लोकतंत्र तभी सफल हो सकता है जब हमारे कार्यों से समाज के अंतिम व्यक्ति का भला हो : लोक सभा अध्यक्ष

...

संसद ने महामारी के दौरान कार्य करके जनता को सकारात्मक संदेश दिया और उनका विश्वास बढ़ाया : लोक सभा अध्यक्ष

...

'नेशन फर्स्ट' हमारे युवाओं के लिए मूल मंत्र होना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने डिजिटल डिवाइड को दूर करते हुए 'जन-केंद्रित, समावेशी और विकासोन्मुख समाज' के निर्माण का आह्वान किया

शिलांग, 25 फरवरी, 2021: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज शिलांग में मेघालय विधान सभा के सदस्यों को सम्बोधित किया। मेघालय विधान सभा के अध्यक्ष, श्री मेतबाह लिंग्दोह; मुख्य मंत्री, डॉ. कॉनरैड ए. संगमा; नेता प्रतिपक्ष, श्री मुकुल संगमा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

सदस्यों को सम्बोधित करते हुए श्री ओम बिरला ने पूर्व लोक सभा अध्यक्ष और मेघालय के पूर्व मुख्य मंत्री, श्री पूर्णो अगितोक संगमा द्वारा संसदीय लोकतंत्र और संवैधानिक प्रक्रियाओं को सशक्त करने के लिए किए गए महत्वपूर्ण योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि हमें श्री संगमा के आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत में लोकतंत्र की स्मृद्ध परम्परा रही है और पूरी दुनिया में यदि आज लोकतंत्र का प्रसार हो रहा है तो इसके पीछे कहीं न कहीं भारत के महान लोकतंत्र की भूमिका अग्रणी रही है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि संसद से लेकर राज्य विधानमंडलों और स्थानीय निकायों तक सभी संस्थाओं को आपसी समन्वय और सहभागिता से कार्य करना चाहिए और अपनी सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को एक-दूसरे के साथ साझा करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि लोकतंत्र तभी सफल हो सकता है जब हमारे कार्यों से समाज के अंतिम व्यक्ति का भला हो। संवाद, वाद-विवाद और चर्चा से इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

कोविड-19 महामारी के दौरान लोक सभा में हुए विधायी कार्य के बारे में जानकारी देते हुए अध्यक्ष महोदय ने कहा कि संसद ने महामारी के दौरान कार्य करके जनता को सकारात्मक संदेश दिया और उनका विश्वास बढ़ाया। श्री बिरला ने कहा कि ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में विधायकों की

ज़िम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है और हमारे संयुक्त प्रयासों से ही हमें कोविड-19 के कारण आई चुनौतियों का सामना करने में मदद मिली।

इस सम्बन्ध में लोक सभा अध्यक्ष ने महामारी के दौरान विधान सभा का सत्र बुलाये जाने के लिए मेघालय विधान सभा की सराहना की। अध्यक्ष महोदय ने विधान सभा की पद्धति और प्रक्रिया में शून्यकाल को शामिल किए जाने की पहल की भी सराहना की।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का स्मरण करते हुए लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने कहा कि हमारे युवाओं को अपने संवैधानिक कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति संकल्पित होना चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि नेशन फर्स्ट' ही हमारे देश के युवाओं के लिए 'मूलमंत्र होना चाहिए।

इस अवसर पर श्री बिरला ने विधायी निकायों की कार्यकुशलता को बढ़ाने के लिए सूचना और संचार साधनों का अधिकाधिक उपयोग किए जाने पर बल दिया ताकि जनाकांक्षाओं को शीघ्र और अधिक पारदर्शी ढंग से पूरा किया जा सके। उन्होंने डिजिटल डिवाइड को दूर करके 'जन-केंद्रित, समावेशी और विकासोन्मुख समाज' के निर्माण की अपील की।

सांसदों के क्षमता निर्माण और संसद में की जा रही अन्य नई पहलों के बारे में बताते हुए श्री बिरला ने कहा कि सभा में पुरःस्थापित महत्वपूर्ण विधायी कार्यों के बारे में ब्रीफिंग सत्र आयोजित किए जाने, सदस्यों को 24x7 शोध और सूचना सम्बन्धी सहायता उपलब्ध कराने, सभा की कार्यवाहियों सहित रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण जैसी पहलें सराहनीय हैं और विधान सभाओं को भी अपने सदस्यों के क्षमता निर्माण के लिए इन नवाचारों को अपनाना चाहिए। इस संबंध में श्री ओम बिरला ने विधान सभाओं को सभी सम्भव सहायता प्रदान करने की पेशकश की ।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि मेघालय अवसरों और अपार संभावनाओं का प्रदेश है और यह पूरे देश को विकास और समृद्धि की नयी दिशा दिखा सकता है। इस राज्य के प्राकृतिक संसाधनों, यहां के लोगों का कौशल और उत्साह, मेघालय की लोकतांत्रिक परम्परा के कारण यहां पर विकास और सम्पन्नता की अपार संभावना है। उन्होंने विधान सभा के नये भवन के निर्माण के लिए मेघालय विधान सभा और मेघालय सरकार द्वारा की गई पहल की भी सराहना की।

श्री ओम बिरला ने राज्य सरकारों, राज्य विधानमंडलों, सदस्यों और अन्य सभी भागीदारों से भारत को 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने में सकारात्मक रूप से योगदान करने की अपील की।

इससे पहले विधान सभा परिसर में आगमन पर श्री बिरला को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

बाद में लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने मेघालय विधान सभा के नए भवन के निर्माण स्थल का दौरा किया। मेघालय विधान सभा के अध्यक्ष, श्री मेतबाह लिंग्दोह और मुख्य मंत्री डॉ. कॉनरैड के. संगमा भी श्री बिरला के साथ वहाँ गए। निर्माण स्थल का दौरा करने के बाद श्री बिरला ने आश्वासन दिया कि इस संबंध में संसद द्वारा विधान सभा को सभी संभव सहायता प्रदान की जाएगी।